**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा):** (क) से (घ) जी, हां। सेंट्रल कोलफील्ड्स लि० में कोयला क्षेत्रों में जैसे नार्थ कर्णपुरा, साउथ कर्णपुरा, ईस्ट बोकारो, वेस्ट बोकारो में विकास तथा विस्तार का कार्य शुरू कर दिया गया है। इन कोयला क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं में स्वीकृत की गई कुल निवेश की राशि लगभग 1500 करोड़ रु० की है।

इस संबंध में उठाए गए कदमों में अग्रिम कार्रवाई क्रियाकलाप प्रक्षेपण, परियोजनाओं का प्राथमिकीकरण और समय पर क्रियान्वयन किए जाने हेतु परियोजनाओं का अनुश्रवण किया जाना शामिल है।

## कोल इंडिया लि० द्वारा कोयला खानों के लिए तैयार की जाने वाली योजना

5829. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
**श्री राम जेठमलानी:**

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कोल इंडिया लि० द्वारा विश्व बैंक से सहायता प्राप्त करके देश की 33 कोयला खानों के लिए एक योजना तैयार की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो विश्व बैंक से कुल कितनी वित्तीय सहायता प्राप्त होगी और कुल योजना-व्यय के संबंध में आंकलन क्या है;

(ग) क्या शेष योजना परिव्यय के लिए धन प्राप्त करने हेतु अन्य स्रोतों की पहचान कर ली गई है;

(घ) यदि हां, तो किस-किस स्रोत से कितनी-कितनी धनराशि प्राप्त होने की संभावना है;

(ङ) क्या सरकर ने इस योजना के अंतर्गत किए गए कुल व्यय से प्राप्त हुए लाभांश का भी आंकलन किया है;

(च) यदि हां, तो अनुमानित वार्षिक लाभांश कितना है और यह निवेश को गई पूंजी की तुलना में कितने प्रतिशत है; और

(छ) कोल इंडिया लि० द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान निवेश की गई अपनी कुल पूंजी से औसतन कितने प्रतिशत वार्षिक लाभांश प्राप्त किया जा रहा है?

**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा):** (क) और (ख) कोल इंडिया लि० (को०इं०लि०) और विश्व बैंक से साथ 34 परियोजनाओं के लिए संभावित ऋण प्राप्त करने के लिए विचार-विमर्श चल रही है, जिसमें विद्यमान खानों/परियोजनाओं में हैवी अर्थ मूविंग मशीनरी की प्रतिस्थापना और नयी/विस्तार परियोजनाओं शामिल हैं। को०इं०लि० द्वारा विश्व बैंक से लगभग 2932 करोड़ रु० सहायता मांगी गई है। 31 परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित ऋण के लिए कुल अनुमानित अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता लगभग 4793 करोड़ रु० की राशि की है।

(ग) और (घ) लगभग 1861 करोड़ रु० की शेष राशि 5 वर्ष की अवधि में निवेश किए जाने की संभावना है। यह राशि अधिकांशतः आंतरिक और वाणिज्यिक संसाधनों द्वारा जुटाई जाएगी।

(ङ) से (च) जी, हां। इस निवेश से लगभग 26% प्रति वर्ष की कुल आंतरिक वित्तीय लाभ समय रूप में प्राप्त होने का अनुमान है।

(छ) पिछले तीन वर्षों में को०इं०लि० द्वारा लगाई गई पूंजी के सकल लाभ (ब्याज से पूर्व लाभ) की प्रतिशतता नीचे दर्शायी गई है:—

| | | |
|---|---|---|
| 1993-94 | — | 13.4% |
| 1992-93 | — | 13.3% |
| 1991-92 | — | 10.5% |

## वेस्टर्न कोलफील्ड्स के कर्मचारियों द्वारा कोयला कंपनियों को लाभकारी बनाने हेतु बनाई गई योजना

5830. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
**श्री राम जेठमलानी:**

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गह सच है कि वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि० के कर्मचारियों ने कंपनी के अंतर्गत 29 कोयला खानों को लाभकारी बनाने के लिए एक योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो सरकार के पास यह योजना कब प्राप्त हुई थी;

(ग) क्या सरकार ने इस योजना के क्रियान्वयन की संभावना का पता लगाया है;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) योजना की विस्तृत रूपरेखा क्या है?

**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा):** (क) से (ङ) वेस्टर्न कोलफील्डस लि० (वे०को०लि०) ने सूचित किया है कि उनके

कामगारों ने 6 खानों को नवीनीकृत किए जाने की योजना प्रस्तुत की है। इन योजनाओं पर एक बैठक में विचार-विमर्श किया गया था जिसमें इन 6 खानों की कार्यकाल की अवधि को बढ़ाए जाने के संबंध में कुछ निर्णय लिए गए थे। इन निर्णयों की तथा इनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि० की है और सरकार की इस मामले में परोक्ष रूप से कोई भूमिका नहीं है।

**कोल इंडिया लि० द्वारा वैगन क्षमता का उपयोग न कर पाने के संबंध में समाचार**

5831. **श्रीमती सुषमा स्वराजः**
**श्री राम जेठमलानीः**

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ध्यान 27 फरवरी, 1995 के दैनिक आब्जर्वर में "सी०आई०एल० एक्यूजड ऑफ नॉट यूटीलाइजिंग वैगन कैपेसिटी" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि कोयला लदान की समुचित व्यवस्था न होने के कारण रेलवे के वैगन बेकार पड़े हैं और वर्ष 1994-95 के दौरान कोल इंडिया लि० द्वारा निर्धारित मात्रा में कोयला ढोने के लक्ष्य को पूरा नहीं किया गया है;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या कोल इंडिया लि० और कोयला उद्योग में कार्यरत सरकारी क्षेत्र की अन्य संस्थानों द्वारा वर्ष 1994-95 के लिए कोयला भेजने के निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसकी लक्ष्य मात्रा कितनी थी और वास्तव में कुल कितनी मात्रा में कोयला भेजा गया और 31 मार्च, 1995 की स्थिति के अनुसार कोयला खानों के मुहानों पर कोयले का कितना भंडार पड़ा था?

**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा):** (क) जी, हां।

(ख) और (ग) कोयल कंपनियों द्वारा कोयले का लदान रेल वैगनों से किए जाने के लिए उपयुक्त रूप में व्यवस्था कर दी गई है। वर्ष 1994-95 के दौरान कोल इंडिया लि० द्वारा वैगनों की दैनिक औसत पेशकश/मांग 17/398 चार पहियों वाले वैगन (एफ०डब्लू०डब्लू०) की थी, जबकि रेलवे ने केवल 17,053 चार पहिया वैगन आवंटित की थी। इसके अलावा, कोलियरियों पर वैगनों की औसत दैनिक आपूर्ति केवल 16,047 चार पहिया वैगन (एफ०डब्लू०डब्लू०) थी। वर्ष 1994-95 के बाद की छमाही के दौरान रेलवे द्वारा वैगनों की आपूर्ति में इच्छित स्तर तक वृद्धि नहीं हुई है। इसके परिणामस्वरूप कोयला कंपनी न केवल लदान की कमी को ही पूरा कर सकी, जोकि वर्ष 1994-95 की प्रथम छमाही में अधिक वर्षा के कारण हुई थी, बल्कि यह अपने लक्ष्यों को भी प्राप्त नहीं कर सकी।

(घ) और (ङ) को०ई०लि० से प्राप्त सूचना के अनुसार को०इ०लि० के अंतर्गत कोयला कंपनियों का वर्ष 1994-95 के लिए प्रेषण लक्ष्य 228.10 मि०टन था, जबकि इसकी तुलना में वास्तविक आपूर्ति 219.48 मि० टन की गई थी, लक्ष्य की तुलना में आपूर्ति लगभग 96.2% थी। पिटहैड को०इ०लि० के पास 31.3.1995 की स्थिति के अनुसार पिटहैड स्टाक 44.91 मि० टन (अनंतिम) होने की सूचना मिली है।

**कोल इंडिया लिमिटेड का विक्रय लक्ष्य**

5832. **श्रीमती सुषमा स्वराजः**
**श्री राम जेठमलानीः**

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा वर्ष 1994-95 के लिए कोयले की बिक्री का लक्ष्य निर्धारित किया गया था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कोल इंडिया लि० द्वारा निर्धारित किया गया लक्ष्य प्राप्त किया जा सका है;

(ग) यदि नहीं, तो वास्तव में कितनी मात्रा में कोयला भेजा जा सका था;

(घ) क्या यह भी सच है कि रेलवे के वैगनों का समय पर उपयोग न कर पाने के कारण कम्पनी को वर्ष 1994-95 के दौरान रेलवे को हर्जाने के रूप में धनराशि का भुगतान करना पड़ा था; और

(ङ) यदि हां, तो वर्ष भर में कुल कितने रेलवे वैगनों की मांग की गई और कितने वैगन उपयोग में लाए गए तथा उक्त अवधि में कितने वैगनों का उपयोग न कर पाने हेतु हर्जाना देना पड़ा था?